V पशुपतिनाथ ही हाटकेश्वर थे.... V

गतांक से आगे...

प्रश्नोरा नागरों का दशपुर पर शासन

(इस प्रकार इस प्रश्नोरा नागर जाति दशोरा) ने दशपुर का शासन संभालने के बाद आठ सौ वर्ष तक शासन किया। ये दशपुर के किले में रहा करते थे तथा शिवना नदी के तट पर इनके धार्मिक कार्य सम्पन्न होते थे। वर्तमान पशुपतिनाथ की स्थापना भी इसी काल में हुई जैसा कि महाकवि कालिदास ने शाकुन्तल और कुमार संभव में भी वर्णन किया है जिसमें वर्तमान मूर्ति के रुप, रंग आदि का उल्लेख पाया जाता है।

इन वर्तमान पशुपतिनाथ को ही हाटकेश्वर माना जाता है। यह मूर्ति छः फुट ऊँची एवं अष्टमुखी है। ये आठों मुख शिव की आठ शक्तियों के प्रतीक हैं तथा इन आठों मुखों से अलग-अलग भाव व्यक्त होते हैं। गुजरात में रहने वाले नागर अष्टकुल के थे जिसके कारण ही इन्होंने अपने इष्टदेव हाटकेश्वर की अष्टमुखी विशाल मूर्ति बनवाई। यह मूर्ति देश देशान्तर से मूर्तिकार बुलाकर तैयार करवाई गई थी। यवनों से नष्ट होने से बचाने के लिए इसे इन ब्राह्मणों ने शिवना नदी के जल में प्रवाहित कर दिया। यह मूर्ति खुदाई के समय सन् 1985 में प्राप्त हुई जिसकी शिवना नदी के किनारे ही मंदिर बनवाकर पुनः 1962 ई. में प्रतिष्ठा की गई। अब ये हाटकेश्वर दशोरों के ही इष्टदेव न रहकर सम्पूर्ण भारत के अराध्य देव हो गये जिनके दर्शनार्थ देश-देश के शिवभक्त और पर्यटक आते रहते हैं। यह मूर्ति उस समय के दशोरा शासन का अकाट्य प्रमाण है। इतिहास की अनभिज्ञता के कारण लोग इसे पशुपतिनाथ की मूर्ति मानकर पूजा आराधना करते हैं। ऐसी विशाल अष्टमुखी मूर्ति भारत में अन्यत्र नहीं है। यहां इसी के अनुसार भव्य मंदिर भी रहा होगा जिसे यवनों ने नष्ट कर दिया।

इस दशोरा जाति का यहां शासन धर्मपूर्ण और प्रजा पालन तत्पर के रुप में था। जनता सुखी और सम्पन्न थी तथा इस नगर का एक व्यापारिक केन्द्र के रुप में भी विकास हुआ था। इन्होंने यहां कई मंदिर बनवाये तथा आसपास के स्थानों में भी धर्म स्थानों की रचना की। चौमुखी तथा अष्टमुखी शिव की मूर्तियां इसी क्षेत्र में अधिक पाई जाती है। इनके शासन काल में स्थापत्य कला एवं मूर्तिकला ने भी काफी उन्नति की। दशपुर के किले में पत्थरों की पच्चीकारी और शिल्पकला लकड़ी का काम उच्च कोटि का एवं कलात्मक है। ये सब तेरहवीं सदी के पूर्व की भारतीय कला के जीवंत उदाहरण हैं। इनमें से कई को धर्मान्ध यवन शासकों ने नष्ट-भ्रष्ट कर दिया। यह काल दशपुर का स्वर्णकाल था। इस युग में संगीत एवं नृत्य की भी काफी उन्नति हुई क्योंकि भगवान शिव को प्रसन्न करने में नृत्य एवं संगीत का ही उनके भक्तगण सहारा लेते हैं। इस प्रकार यहां धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक तीनों क्षेत्रों में काफी उन्नति हुई।

यह जाति मन्त्र विद्या में भी काफी पारंगत थी। कहा जाता है कि शिवना नदी में स्नान करते समय इनकी धोतियां आकाश में सूखती थी और इन्हें स्नान के पश्चात मन्त्र शक्ति से पुनः प्राप्त कर लेते थे।

दशोरा जाति प्रश्नोरा नागर ही है इन सब साक्ष्यों एवं प्रमाणों से यही सिद्ध होता है कि वर्तमान की यह दशोरा जाति प्रश्नोरा नागर ही हैं जिनके कुल, गोत्र, इष्टदेव आदि की समानता ही इसका प्रमाण है। किन्तु सभी प्रश्नोरा नागर दशोरा नहीं हैं बल्कि इनका वहीं वर्ग जो मन्दसौर (दशपुर) गया था तथा वहां से अलाउद्दीन के आक्रमण के बाद अन्य स्थानों पर यथा मालवा, मेवाड़ आदि में बस गया वही दशोरा कहलाने लगा। साथ ही सभी दशोरा भी प्रश्नोरा नागर नहीं है। आक्रमण के बाद मन्दसौर से अन्य जातियां भी वहां से बाहर चली गई। वे भी मन्दसौर में निवास के कारण अपने आपको दशोरा ही कहने लगे जिनमें दशोरा महाजन, दशोरा तेली, दशोरा तम्बोली, दशोरा बलाई आदि हैं। जो प्रश्नोरा नागर है वे अपने को दशोरा ब्राह्मण कहते हैं।

(शेष अगले अंक में)

प्रस्तुति- श्रीमती शीला दशोरा, इन्दौर

नवरात्री की शुभकामनाओं के साथ
हम शॉपिंग के लिये आमंत्रित करते है
इन्दौर एवं प्रदेशवासियों को
हेलो बेबी फेमेली शॉप क्लब
नवजात शिशु से नये-नये मम्मी-पापा तक
विशेषः गर्भवती महिलाओं के लिए गारमेंट और अंडरगारमेंट

न्यूबॉर्न शॉपीः बेसमेंट
बेबी वियर्स, बेबी राइड्स, स्वींग्स् (झुले), बेबी कॉट्स, स्ट्रालर्स, प्रॅम्स, वॉकर्स, फिडर्स, विप्पल्स, टिथर्स, रेटल्स, सुदर्स, ट्रेनिंग कप्स, बेबी कॉस्मेटिक्स, डायपर्स, रिकॉर्ड बुक्स आदि

किड्स शॉपीः ग्राउंड फ्लोर
गारमेंट, अंडर गारमेंट, नाइटवियर, फुटवियर, टॉयज, साफ्ट टॉयज, डॉल्स, गेम्स, बुक्स, सीडीज एवं डीवीडीज आदि

टीनएजर्स शॉपी : 1st फ्लोर
गारमेंट, अंडर गारमेंट, नाइटवियर, फुटवियर, बेग्स एंड पर्सेस आदि

मेन्स एंड वुमेन्स शॉपी : 2nd फ्लोर
गारमेंट, अंडर गारमेंट, नाइटवियर, फुटवियर, कॉस्मेटिक्स, इमिटेशन ज्वेलरी, बेग्स एंड पर्सेस, बेड शीट्स एवं कवर्स, टॉवेल्स आदि

रेस्टारेन्ट : 3rd फ्लोर
शीघ्र ही प्रारंभ

स्थान- हेलोबेबी हाउस, कोठारी मार्केट चौराहा, एम.जी. रोड़, इन्दौर फोन 2531107